Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार, 11 अप्रैल 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 192

अमित शाह ने नडाबेट में सीमा दर्शन के लिए नवनिर्मित पर्यटन सुविधाओं का किया लोकार्पण

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात में बनासकांठा जिले के नडाबेटमें सीमा दर्शन के लिए नवनिर्मित पर्यटन सुविधाओं का लोकार्पण किया। अमित शाह ने नडाबेट बॉर्डर आउटपोस्ट सैनिक सम्मेलन को संबोधित किया और जवानों के साथ बड़ा खाना व संवाद भी किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और सीमा सुरक्षा बल (क्वस्स्न) केमहानिदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कोई भी सीमा सुरक्षा बल हो, विशेषकर बीएसएफ़, उसका काम बहुत कठिन होता है। रेतीली आंधियां, चिलचिलाती गर्मी, हाड़ कंपा देने वाली ठंड, इन सबके बीच एकाग्रता के साथ जीवनपर्यंत कर्तव्य के मंत्र को साकार करते हुए बीएसएफ़ के जवान देश की 6385 किलोमीटर लंबी सीमा की सुरक्षा कर रहे हैं। जबसे नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने तबसे देश को दुनिया में हर क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचाने का आयोजनबद्ध तरीक़े से प्रयास हो रहा है। ये प्रयास इसीलिए सफल होगा क्योंकि हमारे सीमा सुरक्षा बल के जवान सीमा पर अभेद्य सुरक्षा का सुदर्शन चक्र लिए हुए खड़े हैं, आप सीमाओं की सुरक्षा करते हो इसीलिए सीमाओं पर विकास संभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि ये तो वो सीमा है जहां बीएसएफ़ और सेना के जवानों ने उत्कृष्ट पराक्रम दिखाया है। लड़ाई में लगभग 1000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को पाकिस्तान से छीनकर विजय पताका फहराने का काम बॉर्डर सिक्योरिटी फ़ोर्स ने किया। बहुत लंबे समय तक, जब तक समझौता नहीं हुआ, बीएसएफ़ एडमिनिस्ट्रेशन में भी लगी रही और 1965 में 25 बटालियनों के साथ शुरू हुआ ये संगठन, आज 193 बटालियन और 60 आर्टिलरी रेजीमेंट की 2,65,000 जवानों की नफ़री के साथ है। पूरा देश और देश का हर नागरिक मानता है कि ये संगठन और 2,65,000 की ये नफ़री भारत की सुरक्षा की गारंटी है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कश्मीर घाटी में घुसपैठ रोकनी हो, नॉर्थ-ईस्ट में और कुछ वामपंथी उग्रवाद वाले क्षेत्रों में आंतरिक सुरक्षा को संभालना हो, भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर दोनों देशों के रिश्तों में सौहार्द बनाए रखते हुए देश के सभी हिस्सों की सुरक्षा करनी हो, क्रीक के कठिन क्षेत्र में भी घुटनों तक दलदल में घंटों तक चलकर वहां सजग रहना हो, विश्व में इतनी कठिन परिस्थितियों में काम करने वाला बीएसएफ़ के सिवा कोई और सीमा सुरक्षा बल नहीं होगा।

अमित शाह ने कहा कि नडाबेट में सीमा दर्शन कार्यक्रम पर 125 करोड़ रूपए का ख़र्च गुजरात सरकार ने किया है। यहां बीएसएफ़ की वीरगाथाओं को देखकर छोटे-छोटे बच्चे हमारे बॉर्डर गार्डिंग फ़ोर्स के प्रति सम्मान की भावना को संस्कार के रूप में आत्मसात करें, वे भी निश्चय करें कि देश की सुरक्षा के क्षेत्र में मुझे भी कुछ करना चाहिए, देश की सुरक्षा करने वाले प्रहरी के प्रति उसका सम्मान और संवेदना हमेशा के लिए जागृत हो जाएगी। गुजरात सरकार अब ये भी आयोजन करने वाली है कि पांचवी से आठवीं कक्षा तक के हर छात्र के स्कूल के पर्यटन का सेंटर अब ये नडाबेट बनने जा रहा है। इससे बीएसएफ़ के त्याग, समर्पण, बलिदान और वीरता सबको अपने साथ लेकर वो सिविल सोसायटी में जाएगाऔर जब वह नागरिक बनेगा तब उसके जीवन के अंतिम साल तक यहसम्मान बना रहेगा। गुजरात सरकार आसपास के क्षेत्र में रहने की सुविधा के लिए भी अच्छी प्लानिंग करने जा रही है औरकम से कम 2 दिन बनासकांठा की सरहद पर गुजरात का हरनागरिक बिताए तभी वो सरहद की कठिनाइयों के साथ जुड़ेगा और सरहद को जानने का काम कर पाएगा।

इससे पहले नडाबेट में सीमा दर्शन के लिए नवनिर्मित पर्यटन सुविधाओं का लोकार्पण करने के बादअमित शाह ने सभी देशवासियों को रामनवमीकी शुभकामनाएं देते हुए कहा किरामनवमीं चैत्य नवरात्रि की समाप्ति के साथ ही एक ऐसे व्यक्तित्व का जन्म दिवस भी है जिनका जन्मदिनहजारों सालों से करोड़ों लोग अपने घर में मनाते हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

खाई में गिरा वाहन, दो लोगों की मौत, 22 घायल

बड़वानी (आरएनएस)। निमाड़ क्षेत्र के प्रसिद्ध नागतीर्थ भीलटदेव संस्थान मंदिर की पहाड़ी की चढ़ाई के दौरान गणेश घाट पर शनिवार दोपहर हादसा हो गया। चढ़ाई चढ़ रहा लोडिंग वाहन कच्चे रास्ते की ढलान पर अचानक रिवर्स हो गया और करीब 60 फीट गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, वहीं 22 लोग घायल हुए हैं। वाहन में लगभग 30 महिला-पुरुष व बच्चे सवार थे। दुर्घटना में बालिका व वृद्धा की मौत हो गई, वहीं 22 लोग घायल हुए। घायलों को ग्रामीणों एवं मंदिर समिति के लोगों ने खाई से निकाला और स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

प्रेमी युगल ने नदी में छलांग लगाकर की आत्महत्या

सतना (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के सतना जिले की बदेरा पुलिस चौकी क्षेत्र में एक प्रेमी युगल ने महानदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस सूत्रों के अनुसार कटनी के रहने वाले रावेंद्र केवट और वहीं की एक 16 वर्षीय किशोरी ने जिले के बदेरा पुलिस चौकी क्षेत्र के धनवाही गांव के निकट महानदी में कल रात्रि छलांग लगा दी। कुछ स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को निकालकर मैहर के शासकीय अस्पताल लाया गया, जहां पहले रावेंद्र केवट (25) की मौत हो गयी और बाद में उपचार के दौरान किशोरी ने भी दमतोड़ दिया। उपचार के दौरान पीड़ित किशोरी से पता चला था कि पहले दोनो ने जहर खाया और फिर नदी मे छलांग लगा दी। पुलिस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच कर रही है।

कोलंबिया में गुरिल्ला युद्ध में तीन जवानों की हुई मौत

बोगोटा । कोलंबिया में एंटिओक्विया डिपार्टमेंट के इटुआंगो नगरपालिका के पास सेना के गश्त के दौरान घात लगाकर किए गए हमले में कम से कम तीन सैनिकों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। कोलंबियाई सेना ने यह जानकारी दी है। सेना ने एक बयान में कहा, आठ अप्रैल की रात को आतंकवादियों ने सडक़ पर एक सैन्य वाहन को निशाना बनाते हुए विस्फोटकों से हमला किया। इसमें घायल हुए छह जवानों का एक स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। सेना ने कहा, इस हमले के पीछे गुरिल्ला समूह कोलंबिया रिवोल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेज (एफएआरसी) का हाथ है। यह एक ऐसा गुरिल्ला समूह है, जिसकी गतिविधियों पर साल 2016 से रोक लगा दी गई है। अब यह एक विपक्षी राजनीतिक दल है। इसके बावजूद समूह के कुछ असंतुष्ट सदस्यों ने हथियार नहीं डाले हैं और अपना अभियान जारी रखे हुए हैं। बयान में सेना ने कहा, (हम) अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन करने वाले अवैध साधनों का उपयोग कर युद्ध करने के खिलाफ अटॉर्नी जनरल के कार्यालय में शिकायतें दर्ज करायेंगे।

श्रीलंका में आर्थिक संकट : भारत से राशन, सब्जियों की रसद पहुंचाई गई कोलंबो

कोलंबो । श्रीलंका की डूबती अर्थव्यवस्था से लोगों के लिए खाने-पीने का संकट बहुत बढ़ गया है। दूध और सब्जी जैसी रोजमर्रा की जरूरतों के दाम आसमान छू रहे हैं। ऐसे में भारत सरकार ने श्रीलंका की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। इसी कड़ी में भारत द्वारा भेजी गई सब्जियां और दैनिक राशन का सामान कोलंबो पहुंचा। भारत सरकार ने श्रीलंकाई शासन से आगे भी मदद का आश्वासन दिया है। भारत ने अब तक श्रीलंका को 270,000 मीट्रिक टन से अधिक ईंधन की आपूर्ति की है और इससे पहले श्रीलंका को एक और 1 बिलियन अमेरीकी डॉलर के ऋण की घोषणा की है ताकि द्वीप राष्ट्र की डूबती अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद मिल सके। कोलंबो के लिए 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट उनके खाद्य कीमतों और ईंधन की लागत को नियंत्रण में रखने में मदद करेगी। पिछले महीने, श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और उन्हें द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों द्वारा की जा रही पहलों के बारे में जानकारी दी। राजपक्षे ने श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के लिए भारत सरकार द्वारा दिए जा रहे समर्थन के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद दिया है। इस साल जनवरी के बाद से, भारत से श्रीलंका को 2.5 बिलियन अमेरीकी डॉलर से अधिक की मदद दी जा चुकी है।

सुरक्षित व सुखद चारधाम यात्रा के लिए सरकार तैयार : पुष्कर सिंह धामी

हरिद्वार (आरएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को भूपतवाला स्थित नकलंक धाम के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया एवं श्रीमद्भागवत कथा में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह धाम सेवा के धाम के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने प्रदेश वासियों एवं कार्यक्रम में मौजूद विभिन्न राज्यों से आये लोगों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामनवमी के मौके पर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हो रहा है, यह शुभ संयोग और सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कथा सुनने का अवसर सौभाग्यशाली लोगों को ही मिलता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देव भूमि है। मई में उत्तराखण्ड में चार धाम यात्रा शुरू होगी। चारधाम यात्रा में लाखों की संख्या में श्रद्धालु आयेंगे। राज्य सरकार सुरक्षित चार धाम यात्रा को लेकर संकल्पबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि चार धाम यात्रा में आने वाले प्रत्येक यात्री को बेहतर से बेहतर सुविधा मिल सके। इसके लिए उच्च स्तरीय बैठक की जा चुकी है। देवभूमि उत्तराखंड अतिथि देवो भव: के ध्येय वाक्य को अपनाकर सुरक्षित चार धाम यात्रा के लिए तैयार है, इसके लिए सभी व्यवस्था कर दी गई है। कार्यक्रम में आयोजनकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। इस दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री स्वामी यतिश्वरानंद, नकलंक धाम के संस्थापक स्वामी राजेंद्र दास, जिलाधिकारी विनय शंकर पांडे, एसएसपी डा.योगेंद्र रावत, संतगण एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

सुपरटेक ट्विन टावर गिराने का ट्रायल शुरू, 22 मई को पूरी तरह जमींदोज होगी इमारत

नोएडा (आरएनएस)। नोएडा स्थित करीब 100 मीटर ऊंची सुपरटेक ट्विन टावर गिराने के लिए एक ट्रायल आज से शुरू हो गया। इस इमारत को 22 मई को जमींदोज कर दिया जाएगा। भारत में इतनी ऊंची इमारत पहली बार गिराई जाएगी। 32 मंजिला ट्विन टॉवर को ढहाने का काम मुंबई की एडिफिस एजेंसी को दिया गया है। कंपनी ने दक्षिण अफ्रीका की कंपनी डेमोलिशन एजेंसी को इस काम के लिए अपना सहयोगी बनाया है, ट्रायल के लिए इमारत में 5 किलो वोस्फोटक लगाया जाएगा और 5 धमाके किए जाएंगे।

ये टावर सुपरटेक बिल्डर ने अवैध तरीके से बनाए थे, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने ध्वस्त करने का आदेश दिया था। इमारत को गिराने की तैयारी के बीच इमारत के आस पास पुलिस बल तैनात किया गया है और उस सडक़ को भी बंद कर दिया गया है। स्थानीय लोगों के लिए एक एडवाइजरी भी जारी की गई है, जिसके तहत विस्फोट के वक्त पड़ोसी इमारतों के लोग बाहर नहीं निकलेंगे।

ट्विन टावर को तोडऩे में करीब 18 करोड़ का खर्च आएगा, अंदाजा है कि इमारत से करीब 25 हजार टन मलबा निकलेगा। हालंकि अभी बेसमेंट और 14वें फ्लोर में वोस्फोटक की मदद से ब्लास्ट किया जाएगा और इमारत की 5 पिलर में किया ब्लास्ट किया जाएगा।

पुलिस सुरक्षा में यह 5 किलो विस्फोट मंगाया गया है, इस ट्रायल के बाद टीमें यह अनुमान लगा सकेंगी कि पूरी इमारत के लिए कितना विस्फोट की जरूरत पडऩे वाली है। वहीं इमारत में ड्राई रन से ठीक पहले एक सायरन बजाया जाएगा, ताकि लोग एतिहात बरत सकें।

जानकारी के अनुसार, अफ्रीका की जेट डेमोलिशन 108 मीटर की बिल्डिंग अफ्रीका में पहले गिरा चुकी है। ट्रायल ब्लास्ट के दौरान एडिफिस इंजीनियरिंग के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ जेट डिमोलिशन के प्रबंध निदेशक जो ब्रिंकमैन, विस्फोट डिजाइन और सुरक्षा प्रमुख मार्थिनस बोथा व सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीबीआरआई) भी मौजूद रहेंगे।

सीआरपीएफ ने लश्कर के दो आतंकवादी को मार गिराया

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों पर हाल में हुए हमले में शामिल रहे लश्कर-ए-तैयबा के दो पाकिस्तानी आतंकवादी शहर में रविवार को हुई मुठभेड़ में मारे गए, जबकि तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। बिशंबर नगर इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था, जिसके बाद आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि पुलिस चार अप्रैल को सीआरपीएफ कर्मियों पर हुए हमले के दिन से ही दोनों पाकिस्तानी आतंकवादियों का पीछा कर रही थी और रविवार को उनके ठिकाने का पता लगाने के बाद अभियान शुरू किया गया था।

पुलिस ने कहा, आतंकवादियों का मारा जाना पुलिस और सीआरपीएफ के लिए एक बड़ी सफलता है। मैं एक संदेश देना चाहता हूं कि जो कोई भी निर्दोष पुलिस कर्मियों, नागरिकों या पत्रकारों या किसी पर भी हमला करेगा, चाहे वह पाकिस्तानी हो या स्थानीय आतंकवादी हो, उसे मार गिराया जाएगा।

अधिकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके चलते आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई और दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि दोनों आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध थे। अधिकारी ने बताया कि इस दौरान मुठभेड़ में तीन सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गए।

इससे पूर्व आईजीपी कुमार ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया था कि मुठभेड़ में मारा गया आतंकवादी चार अप्रैल को श्रीनगर के मैसूमा इलाके में हुए हमले में शामिल था, जिसमें सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया था और एक अन्य घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में घायल हुए सुरक्षाकर्मियों को यहां सेना के 92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सरयू तट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

कड़ी सुरक्षा के बीच रामनवमी मेला हुआ संपन्न

अयोध्या (आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या में श्रीराम के जन्मोत्सव का साक्षी बनने को भक्तों का रामनगरी में रेला उमड़ रहा। सुबह 4 बजे से ही सरयू में स्नान-ध्यान का सिलसिला जारी रहा सडक़ें तो श्रद्धालुओं से पटी पड़ी ही थीं कि घाटों पर भी भक्ति भाव का अद्भुत नजारा दिखा। कनक भवन और जन्मभूमि परिसर के बाहर लम्बी-लम्बी लाइन लगी रही। हनुमानगढ़ी के बाहर सबसे ज्यादा हुजूम दिखाई पड़ा।

श्री राम के जन्म उत्सव में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने सही में स्नान करने के बाद भगवान श्री रामलला सहित हनुमानगढ़ी मंदिर में विराजमान बजरंगबली का भी दर्शन किया। पूरी अयोध्या श्रद्धालुओं से पटी रही। जिसको देखते हुए शासन और प्रशासन की नजरें भी अयोध्या पर बनी रहे पूरी अयोध्या को कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया 6 जून 27 सेक्टर में बांटे गए स्थान स्थान पर पीएसी व पुलिस के जवानों के साथ ही पहली बार सीमा सुरक्षा के बलों ने भी मोर्चा संभाला तो वही एसएसपी, आईजी, डीएम सहित तमाम आला दिखाई खुद मेले के दौरान गस्त कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लेते रहे तो वहीं देर शाम होते ही इस पूरे मेला को सकुशल संपन्न हुआ।

पीएम ने उमिया माता मंदिर के 14वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामनवमी के अवसर पर आज गुजरात के जूनागढ़ के गथिला में उमिया माता मंदिर में आयोजित 14वें स्थापना दिवस समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल और केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने मंदिर के स्थापना दिवस और रामनवमी के शुभ अवसर पर उपस्थित लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर कामना करते हुए कहा कि मां सिद्धिदात्री भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करें। उन्होंने गिरनार की पवित्र भूमि को भी नमन किया। प्रधानमंत्री ने सभा में उपस्थित लोगों से कहा कि उन्होंने हमेशा राज्य और देश की बेहतरी के लिए उनकी सामूहिक ताकत और चिंता को महसूस किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या और पूरे देश में रामनवमी बड़े जोर-शोर से मनाई जा रही है। उन्होंने 2008 में मंदिर को समर्पित करने और पिछले कई वर्षों से मां उमिया को नमन करने का अवसर मिलने के लिए भी आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आध्यात्मिकता और दिव्यता की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान होने के अलावा, गथिला में उमिया माता मंदिर सामाजिक चेतना और पर्यटन का स्थान बन गया है। मां उमिया की कृपा से प्रधानमंत्री ने कहा कि समाज और भक्तों ने कई महान कार्य किए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मां उमिया के भक्त के रूप में लोगों द्वारा धरती मां को कोई नुकसान पहुंचाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि चूंकि हम अपनी मां को अनावश्यक दवाएं नहीं खिलाते हैं, इसलिए हमें अपनी जमीन पर भी अनावश्यक रसायनों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने प्रति बूंद अधिक फसल जैसे जल संरक्षण योजनाओं के माध्यम से भूमि क्षेत्र को संरक्षित करने के उपायों के बारे में चर्चा की। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान किए गए जन आंदोलन को याद किया। उन्होंने कहा कि हम जल संरक्षण के आंदोलन में ढील नहीं दे सकते। उन्होंने यह भी कहा कि धरती मां को रसायनों से बचाने की जरूरत है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने कहा कि जैसे उन्होंने और केशुभाई ने पानी के लिए काम किया, मौजूदा मुख्यमंत्री धरती मां के लिए काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मां उमिया और अन्य देवी-देवताओं की कृपा और सरकार के प्रयासों से महिला-पुरुष अनुपात में सुधार हुआ और बेटी बचाओ आंदोलन के अच्छे परिणाम निकले। उन्होंने कहा कि गुजरात से बड़ी संख्या में लड़कियां ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उन्होंने बच्चों और लड़कियों में कुपोषण के खिलाफ सक्रिय होने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने गर्भवती माताओं के पोषण का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कुपोषण के दर्द को पूरी तरह खत्म करने की जरूरत है। मोदी ने मंदिर ट्रस्ट द्वारा गांवों में स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता आयोजित करने की मांग की। उन्होंने गरीब छात्रों के लिए कोचिंग कक्षाएं संचालित करने का भी अनुरोध किया और कहा कि मंदिर के रिक्त स्थान और हॉल का उपयोग योग शिविरों और कक्षाओं के लिए भी किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने आजादी का अमृत महोत्सव और अमृत काल के महत्व को भी दोहराया। उन्होंने उपस्थित लोगों से समाज, गांव और देश के बारे में जागरूकता बढ़ाने और अपने दिलों में बसाने का संकल्प लेने को कहा। उन्होंने हर जिले में 75 अमृत सरोवर के अपने दृष्टिकोण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हजारों चेक डैम बनाने वाले गुजरात के लोगों के लिए यह कोई बहुत बड़ा काम नहीं होगा, किंतु इस प्रयास का असर बहुत बड़ा होगा। उन्होंने इस कार्य को 15 अगस्त, 2023 से पहले पूरा करने को कहा। उन्होंने इसके लिए सामाजिक आंदोलन की मांग की।